शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

विगत सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई समाजसेवी, राजनेता, खिलाड़ी, कलाकार और आम नागरिक गुजर गये। इनमें से शिवराज पाटिल, अजित पवार, सुरेश कलमाड़ी, रामचन्द्र नायक, गौर हरिजन, हारून टोपनो, विनोद कुमार शुक्ल, माधव गाडगिल, आदि प्रमुख हैं।

वर्ष 1991 से वर्ष 1996 तक के पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का दिनांक–12 दिसंबर, 2025 को निधन हो गया। स्व0 पाटिल वर्ष 2004 में देश के गृह मंत्री, वर्ष 1995 से वर्ष 1996 तक रेल मंत्री, तथा वर्ष 1980 से 1984 में रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कार्मिक, खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। उनके मार्गदर्शन में लोकसभा कार्यवाही का प्रथम बार लाइव टेलिकास्ट प्रारंभ हुआ, लोकसभा का कंप्यूटरीकरण तथा आधुनिक संसदीय पुस्तकालय की नींव रखी गयी थी। स्व0 पाटिल का निधन राजनीतिक जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है जिसकी भरपाई निकट भविष्य में बहुत कठिन है।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का दिनांक–28 जनवरी, 2026 को विमान दुर्घटना में निधन हो गया। स्व0 पवार वर्ष 1995, 1999, 2004, 2009 तथा

वर्ष 2014 में महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य रहे। स्व0 पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले उप मुख्यमंत्री रहे। हम उनके निधन से मर्माहत हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का दिनांक–06 जनवरी, 2026 को निधन हो गया। स्व0 कलमाड़ी भारतीय ओलंपिक संघ के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे तथा वायुसेना के पायलट के रूप में उन्होंने वर्ष 1965 और 1971 में विभिन्न युद्ध में भाग लिया था। स्व0 कलमाड़ी का निधन राजनीतिक जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

वर्ष 2000 से वर्ष 2005 तक कांके विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले रामचन्द्र नायक का दिनांक–24 जनवरी 2026 को निधन हो गया। सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी स्व0 नायक लोगों के मध्य अत्यंत लोकप्रिय थे। उनके निधन से राजनीतिक जगत में जो शून्यता आई है उसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है।

वर्ष 1990 तथा वर्ष 1995 में बोकारो जिला के चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व माननीय सदस्य गौर हरिजन का दिनांक–09 जनवरी 2026 को निधन हो गया। हम उनके निधन से दुखी हैं।

वर्ष 1971 के भारत–पाक युद्ध में पूर्वी पाकिस्तान के मोर्चे पर युद्ध लड़ने वाले हारून टोपनो का दिनांक–10 जनवरी 2026 को निधन हो गया। वे तोरपा के मूल निवासी थे। उन्होंने पाकिस्तान युद्ध में बहादुरी से लड़ा और अपनी भूमिका निभायी।

वर्ष 2025 में ज्ञानपीठ पुरस्कार तथा वर्ष 1999 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित देश के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का दिनांक–23 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया।

देश के पश्चिमी घाटों के संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाले देश के प्रमुख पारिस्थितिकीविद माधव गाडगिल का दिनांक–07 जनवरी 2026 को निधन हो गया। गाडगिल बेंगलोर स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सांईस में पारिस्थितिकी विज्ञान केन्द्र के संस्थापक और पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल के अध्यक्ष थे। उनके निधन से पारिस्थितिकी विज्ञान में एक शून्यता आयी है।

राँची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति, राजनीति शास्त्र विषय के प्राध्यापक वरिष्ठ पत्रकार, प्रो0 बी0 पी0 शरण का दिनांक–25 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया। स्व0 शरण का निधन शैक्षणिक जगत के लिए क्षति है।

झारखण्ड के वीर सपूत और महान स्वतंत्रता सेनानी अमर वीर शहीद नीलाम्बर–पीताम्बर के वंशज रामनंदन सिंह खरवार को दिनांक–19 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी है।

विख्यात पत्रकार मार्क टली का दिनांक 25 जनवरी 2026 को निधन हो गया। टली का जन्म ब्रिटिश शासन के समय कोलकाता में हुआ एवं बचपन भारत में बीता।

उनका नाम पत्रकारिता की विश्वसनीय आवाज के रूप में जाना गया। वे लगभग 30 वर्षों तक बी0बी0सी0 से जुड़े रहे। भारत सरकार ने 2005 में उन्हें पद्मभूषण से नवाजा। इनके निधन से पत्रकारिता जगत में बहुत बड़ी क्षति हुई है।

त्रिपुरा विधान सभा के अध्यक्ष विश्वबंधु सेन का दिनांक 26 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया। वे वर्ष 2023 से निधन तक त्रिपुरा विधान सभा के अध्यक्ष रहे तथा वर्ष 2018 से 2023 तक उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। हम उनके निधन से मर्माहत हैं।

देश के जाने–माने शिल्पकार राम सूतार का निधन दिनांक 18 दिसम्बर 2025 को हो गया। संसद परिसर में स्थापित ध्यानमुद्रा में महात्मा गांधी और घोड़े पर सवार छत्रपति शिवाजी की मूर्ति उनकी बेहतरीन कलाकृतियों में शामिल हैं।

पहली नागपुरी फिल्म के निर्माता, निर्देशक एवं लोक गायक धनंजय तिवारी का निधन 06 दिसम्बर 2025 को हो गया। वे भंडरा प्रखण्ड, लोहरदगा के निवासी थे।

झारखण्ड आंदोलन का काला अध्याय पश्चिम सिंहभूम कोल्हान में गुवा गोलीकांड 8 सितम्बर 1980 के साक्षी रहे बड़ा राइका गाँव निवासी एवं आंदोलनकारी दरगड़ाय सिरका का दिनांक–08.12.2025 को निधन हो गया। दरगड़ाय सिरका ने

गुवा में आदिवासियों के अधिकारों और न्याय की मांग पर हुए आंदोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया था। उनका निधन पीड़ादायक है।

गोवा के नाईट क्लब में दिनांक–06 दिसम्बर 2025 को लगी भीषण आग में 25 लोगों के मौत की घटना, 22 जनवरी 2026 को जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में सैन्य वाहन के खाई में गिरने से भारतीय सेना के 10 जवानों के शहीद होने की घटना, हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में बस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत की घटना, उत्तराखंड के अलमोड़ा जिले में बस के खाई में गिरने से 07 लोगों की मौत, अरूणाचल प्रदेश में ट्रक के खाई में गिरने से 18 मजदूरों की मौत की घटना तथा लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र में बस दुर्घटना में 09 यात्रियों की मौत की घटना अत्यंत पीड़ादायक है।